

April 2016

28

119-247

Thursday

2/7/20  
तुलसी - रामायण

B.A. Part I  
Himeli Honey

03	7	14	21	28	04	4	11	18	25
1	8	15	22	29	5	12	19	26	
2	9	16	23	30	6	13	20	27	
3	10	17	24	31	7	14	21	28	
4	11	18	25		8	15	22	29	
5	12	19	26		9	16	23	30	
6	13	20	27		10	17	24		

9 और कोशला से काकती ही राम के बने  
 10 राम का पुत्रपौत्रना पर व्यापक प्रभाव  
 11 लाडा तथा व्यापक सम्बन्ध भी मिला।  
 12 तुलसी ने आपने राम की  
 13 परिवृथितियों का गहरा अध्ययन किया था।  
 14 राम की विधवाओं और अकर्मियों की ठीक  
 15 की पहचान था। तथा दुस्ती के आकार पर  
 16 उन्होंने काव्य की रचना की है। कहा जाता  
 17 है कि बुद्धदेव के बाद भारत में रामायण का  
 18 लोकनायक तुलसीदास राम लोकनायक  
 19 पाली हो सके हैं जिसमें रामायण की  
 20 भाषना है। तुलसीदास ने राजा-प्रजा,  
 21 शासन-शास्य, राजा-निर्गम, लोकमत-  
 22 लोकमत इत्यादि का रामायण का सम्बन्ध  
 23 कलें लोहरा भारत का संदेश दिया। उन्होंने  
 24 शोक-राम, विजय और विवता आदि का  
 25 रामायण का संकाज है। अतः संदेश दिया।  
 26 तुलसीदास भक्ति-पारदा  
 27 है। रामायण का रामायण की लोका के कर्वाण  
 28 के है। रामायण है। उन्होंने रामायण भक्ति के  
 29 आत्मिक से राम की भक्ति भावना को  
 30 अपनाया। तथा दुस्ती की भक्ति के आकार  
 पर संकाय से राम उतरने की बात कही।  
 रामायण में राम कलें रामायण की बात कही  
 गई है।

पत्रों के फौज में है  
 रामायण का रामायण के विविधता है पत्रों के  
 प्रभावित है +



	May '16							June '16						
S	30	2	9	16	23			6	13	20	27			
M	31	3	10	17	24			7	14	21	28			
T		4	11	18	25			8	15	22	29			
W		5	12	19	26			9	16	23	30			
T	1	6	13	20	27			10	17	24				
F		7	14	21	28			11	18	25				
S		8	15	22	29			12	19	26				

April 2016

118-248

27

Wednesday

①

Important

B.A. Hindi  
 Honrs 3/7/20  
 Part I  
 संस्कृत का लीला  
 हिन्दी का अर्थ  
 श्री 0 आर्यभट्ट कुमार  
 प्रश्नोत्तर प्रौढीकरण  
 हिन्दी विभाग  
 प्रश्नोत्तर प्रश्नोत्तर कौशल,  
 गढ़नावादा  
 तुलसीदास कथा:

9. तुलसीदास की विवाह का यह रूप सर्वाधिक सौंदर्य रूप में है।

1. रामकथा इसका देना में  
 तुलसीदास ने पहली बार कही-सुनी  
 आ सुनी थी। पर तुलसी ने इसे जिस रूप में  
 2. उपस्थित किया, तुलसी पहली बार कोई कवि  
 3. इसके लिए रूप नहीं दे पाया था। रामाज  
 और पूजा के अंगुली इसमें गलीगली का  
 प्रवेश, केवल राम तुलसी ने रामकथा को अपने  
 4. रूप में वास्तु के समान प्रस्तुत किया।  
 रामराज्य की स्थापना तुलसी की शौरिक  
 5. है। इन्होंने रामराज्य के अंगुली में  
 अपने मानव समाज की बात कही -  
 6. ऐहिक ऐहिक औरिक ताप  
 रामाज्य का यह गहि गहि थापा।  
 काय नर कर्षण परकपर जीती।  
 चान्हि कलादर्श विवत प्रति गती ॥  
 रामा के आदर्शवादी रूप को तुलसी हमेशा  
 अपना बनाया। जिन पूजा में राजसिंहका  
 के अंगुली का हाथ अंगुली के अंगुली के अंगुली  
 के अंगुली है। उस पूजा के अंगुली  
 7. अंगुली की अंगुली अंगुली के अंगुली अंगुली  
 कथा:

June '16	6	13	20	27
1	7	14	21	28
2	8	15	22	29
3	9	16	23	30
4	10	17	24	
5	11	18	25	
12	19	26		

July '16	4	11	18	25
5	12	19	26	
6	13	20	27	
7	14	21	28	
8	15	22	29	
9	16	23	30	
10	17	24		
11	18	25		

③ 13.A - Hons part I  
 भावनी

May 2016

2/7/20 क्रमांक:

144-222  
 Monday

23

भाषा पर भावनी का  
 पूरा अधिकार था। इन्होंने अरबी और  
 राजभाषा इन दोनों प्रमुख शक्तियों में  
 काठ्य रचना की। इनकी भाषा पाठ्यक्रम  
 प्रकाशना तथा केवल है। इन्होंने अपने  
 शोध में प्रकाशित तथा काठ्य शक्तियों  
 में काठ्य रचना की।

तत्कालीनकाल में अपने काठ्य  
 में वाम वामों एवं अल्पकारों का प्रयोग  
 किया है। पर प्रकाशना शक्ति और सुविधायक  
 तथा वनपक, उल्लुपान, उल्लुपान, उल्लुपान  
 इत्यादि अल्पकारों की सुव्यवस्था रचना की है।

कुल मिलाकर ऐसा लगता है कि  
 तत्कालीनकाल नाम किन्हीं कवि विद्वानों का न होकर  
 एक विशाल सांस्कृतिक आंदोलन का है,  
 नाने उन्नती भारत के जीवन के सुखों को  
 वापस देना जिसे काठ्य कहा है। अनेक  
 विद्वानों उन्नति, वर्तमान और भविष्य का  
 एक दायरे में पिरोकर आदर्शों का चित्रण  
 दीप जला दिया है।